Total Pages : 2 **Roll No. ----------**

MAJY-503

पंचांग एवं मुहूर्त्त–01

एम0ए0 ज्योतिष (MAJY-20)

प्रथम सेमेस्टर जून 2022

समयः 2 घण्टा **पूर्णांकः 80**

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। [2 x 20 = 40]

प्र0–1 पंचांग के स्वरूप का विस्तारपूर्वक वर्णन करते हुए निबन्ध लिखिए।

प्र0–2 पंचांग निर्माण की परम्परा का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।

P.T.O.

प्र0–3 पंचांग निर्माण के विविध सिद्धान्तों का परिचय दीजिये।

प्र0–4 पंचांग की परिभाषा देते हुए आधुनिक काल में इसकी उपयोगिता सिद्ध करें।

प्र0–5 व्रत–पर्व के निर्धारण में पंचांग की भूमिका पर निबन्ध लिखें।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। [4 x 10 = 40]

प्र0–1 तिथि साधन पर एक टिप्पणी लिखें।

प्र0–2 वार कितने हैं? वारक्रम की वैज्ञानिकता का प्रतिपादन करें।

प्र0–3 नक्षत्र साधन पर टिप्पणी लिखें।

प्र0–4 योग कितने हैं? विस्तृत परिचय दें।

प्र0–5 करण साधन पर टिप्पणी लिखें।

प्र0–6 तिथि–वृद्धि पर टिप्पणी लिखें।

प्र0–7 पंचांग की उपयोगिता पर प्रकाश डालें।

प्र0–8 दृक्सिद्ध पंचांग पर टिप्पणी लिखें।

———————————